સત્સંગ શિક્ષણ પરીક્ષા

બોચાસણવાસી શ્રી અક્ષરપુરુષોત્તમ સ્વામિનારાયણ સંસ્થા, શાહીબાગ, અમદાવાદ - 380 004.

સત્સંગ પ્રવેશ - ૧
SATSANG PRAVESH - 1

રવિવાર, 20 જુલાઈ, 2003 **સમય : સવારે 9 થી 11:15** **કુલ ગુણ :- 75**

CENTRE NO.
(કેન્દ્ર નંબર)

CENTRE NAME
(કેન્દ્રનું નામ)

EXAMINEE'S SEAT NO. (Write Clearly & Legibly)
(પરીક્ષાર્થીનો બેઠક ક્રમાંક (ચોક્સાઈથી સ્પષ્ટ અક્ષરે લખવો))

IN NUMERICS
(આંકડામાં)

IN WORDS
(શબ્દોમાં)

ઉત્તરની ભાષા (MEDIUM)

AGE OF EXAMINEE (ઉંમર).....

EDUCATION OF EXAMINEE .....
(પરીક્ષાર્થીનો અભ્યાસ)

(ઉપરની તમામ વિગતો સ્પષ્ટ વંચાય તેવા અક્ષરે લખાઇ છે
તેની ચકાસણી કર્યા પછી જ વર્ગ સુપરવાઈઝરે સહી કરવી.)
Signature Of Exam Supervisor .....
(વર્ગ સુપરવાઈઝરની સહી)

મોડરેશન કાર્યાલય માટે જ	પ્રશ્ન નંબર	મેળવેલ ગુણ
	1	
	2	
	3	
	4	
	5	
	6	
	7	
	8	
	9	
	10	
	11	
	12	
	13	
	કુલ ગુણ	

Note (નોંધ) :-

1. Figures given on the right hand side indicate the marks for that question.
   (જમણી બાજુએ આપેલા અંકો જે તે પ્રશ્નોના ગુણાંક દર્શાવે છે.)
2. Follow the instructions while answering.
   (પ્રશ્નોના જવાબ સૂચના મુજબ આપવા.)
3. Answers should be clear without cancellations.
   (છેકછાકવાળા જવાબો માન્ય ગણાશે નહીં.)

પેપર તપાસનાર(પરીક્ષક)ની સહી.

.....

२

प्राप्त गुण : प्रश्न-१ ( ) प्रश्न-२ ( )

(विभाग- १ : नीलकंठ चरित्र)

प्र.१. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए। **[६]**

१. ''तुम यहाँ क्या कर रहे हो ? यहाँ से कहाँ जाओगे ?''

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

२. ''भालू आपको देखकर शांत क्यों हो गया ?''

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

३. ''लोज में जाकर वर्णी के दर्शन करना ।''

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

प्र.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में) **[६]**

१. तेलंगी ब्राह्मण का शरीर काला और कुरूप हो गया ।

.....

.....

.....

२. रामानंद स्वामी ने आत्मानंद स्वामी का त्याग किया ।

.....

.....

.....

३. नीलकंठ ने सेवकराम का त्याग किया ।

.....

.....

.....

प्र. ३. निम्न में से किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग पर पंद्रह पंक्ति में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें ।(वर्णनात्मक) **[५]**

१. नीलकंठ जगन्नाथपुरी में । २. लोज में नीलकंठवर्णी की मुक्तानंद स्वामी के साथ प्रथम मुलाकात ।

३. धर्मधुरा सौंपी ।

प्रसंग :

( ) .....

.....

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-३ ( ) प्रश्न-४ ( )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **[५]**

१. *नीलकंठ शील गाँव से लोज में कितने मन खीरे लाए ?*

.....

२. *पुलहाश्रम में तप करते हुए नीलकंठवर्णी को किसने दर्शन दिये ?*

.....

३. *हरिद्वार और बदरीनाथ में नीलकंठ को कौन मिले ?*

.....

४. *भगवानदास ने नीलकंठवर्णी के बायें पैर में कितने चिह्न देखे ? किन्हीं तीन के नाम लीखिए ।*

.....

५. *रतो बशियो पूर्वजन्म में क्या था ?*

.....

४

प्राप्त गुण : प्रश्न-५ ( ) प्रश्न-६ ( ) प्रश्न-७ ( )

प्र. ५. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्पों के क्रमांक लिखें । [६]

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. नीलकंठवर्णी ने किस गाँव में अपनी वाणी को शाप दिया ?

(अ) वांसदा (ब) वंशीपुर (क) श्रीपुर (ड) बांसी

जवाब : .....

२. वनविचरण में नीलकंठवर्णी को कौन-कौन से राजा मिले थे ?

(अ) सिद्धवल्लभ (ब) रणजीतसिंह (क) कृष्णवल्लभ (ड) महादत्त

जवाब : .....

३. नीलकंठवर्णी लोज में कब आये ?

(अ) सावन कृष्ण पक्ष षष्ठी (ब) भादों शुक्ल षष्ठी (क) सं. १८५६ (ड) सं. १९५६

जवाब : .....

प्र. ६. निम्न विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. ..... राक्षस ने नीलकंठवर्णी को सरयू नदी में फैंक दिया ।

२. जयरामदास के मित्र का नाम ..... था ।

३. बोचासण में काशीदास के यहाँ नीलकंठवर्णी ने ....., ... और शक्कर का भोजन किया ।

४. ..... उत्सव के दिन लोज में सबको नीलकंठ ने दो रूपों में दर्शन दिये ।

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग-१)

प्र. ७. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए। [६]

१. ''भस्म तो खत्म हो गई है ।''

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

२. ''उपर बैठा हुआ मोटा साधु भी ब्रह्म है ।''

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

३. ''इस तरह कोई भी रकम मुझको न भेजे ।''

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

प्राप्त गुण : प्रश्न-८ ( ) प्रश्न-९ ( ) प्रश्न-१० ( )

प्र. ८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में) [४]

१. महाराज ने दाहिने अँगूठे में से ज्योत निकाली ।

.....

.....

.....

२. झीणाभाई ने अदीबा के साथ बोलना बंद कर दिया ।

.....

.....

.....

प्र. ९. नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखें। [५]

प्रसंग :- देवानंद स्वामी ।

१. ग्वालियर के गवैया लोगों को निस्तेज कर दिया । २. उन्होंने बीमार गुणातीतानंद स्वामी की सेवा की । ३. 'सरस्वती' स्वयं तुम्हारी जीभ पर बिराजेगी । ४. जूनागढ़ में मन्दिर करने के लिये महाराज ने उन्हें भेजा । ५. दलपतराम को कविता कला सिखलाकर कवीश्वर बनाया । ६. वचनामृत की खोज मैंने की, वचनामृत लिखे मैंने, परन्तु उसका सही मतलब स्वामी के समागम से समझ रहा हूँ । ७. धरमपुर के दरबारी गवैये को निस्तेज कर दिया । ८. वे पहले खोडियार माता के भक्त थे । ९. वे महाराज की अष्ट कवियों की मंडली में विराजमान हो गये । १०. मूली मन्दिर के महन्त हुए थे । ११. ''तारो चटक रंगीलो..... '' किर्तन के रचयिता ।

केवल नंबर :- [ ] [ ] [ ] [ ] [ ]

प्र. १०. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । [४]

१. सत्संग में किसका जीवन रंतिदेव समान था ?

.....

२. शुकमुनि स्वामी ने महेळाव के डुंगरभाई को क्या आशीर्वाद दिये ?

.....

३. महाराज किसके आग्रह से वरताल आये ?

.....

४. आशाभाई को किसने भागवती दीक्षा दी ?

.....

प्र. ११. निम्न में से किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग पर पंद्रह पंक्ति में संक्षिप्त टिप्पणी लिखें । (वर्णनात्मक) [५]

१. शुकानंद स्वामी की महाराज के बारे में निर्दोष बुद्धि । २. मन्दिरों के निर्माण में ब्रह्मानंद स्वामी का योगदान ।

३. निर्गुणदास स्वामी का सत्संग प्रचार में योगदान ।

प्रसंग :

( ) .....

.....

प्राप्त गुण : प्रश्न-११ ( ) **प्रश्न-१२** ( )

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. १२. निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत, यह लिखकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए। **[४]**

१. *वरताल में महाराज ने मन्दिर, साधु, शास्त्र और आचार्य करने का संकल्प किया ।* [ ]

.....

२. *भगतजी महाराज के आदेश से सं. १९५३ में जेठाभाई ने भागवती दीक्षा ली ।* [ ]

.....

३. *जोबनपगी का नाम महाराज के साथ जोड़ दिया गया है – हे मन्तार्चास्तुतिप्रीयाय नमः ।* [ ]

.....

४. *देवानंद स्वामी ने महाराज को लिख भेजा कि, ''साहेब सरीखा शेठिया..... ''* [ ]

.....

(विभाग - ३ : निबंध)

प्र. १३. निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब तीस वाक्य में निबंध लिखिए। **[१५]**

१. हिन्दु संस्कृति के पोषक एवं संवर्धक - अक्षरधाम ।

२. अक्षरपुरुषोत्तम उपासना के स्थापक और प्रवर्तक - शास्त्रीजी महाराज ।

३. स्थितप्रज्ञ पुरुष प्रमुखस्वामी महाराज ।

निबंध :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

૮

प्राप्त गुण : प्रश्न-१३